।। श्री श्याम पुष्पांजलि ।।

हाथ जोड़ विनती करूँ, सुणज्यो चित्त लगाय ।
दास आ गयो शरण मे, रखियों इसकी लाज़।।
धन्य ढूँढ़ारो देश है, खाटू नगर सुजान ।
अनुपम छवि श्री श्याम की, दर्शन से कल्याण ।।
श्याम-श्याम नित मैं रटू, श्याम है जीवन प्राण।
श्याम भक्त जग में बड़े, उनको करूँ प्रणाम ।।
खाटू नगर के बीच में, बण्यो आपको धाम ।
फागुन शुक्ला मेला भरे, जय जय बाबा श्याम ।।
फागुन शुक्ला द्वादशी, उत्सव भारी होय।
बाबा के दरबार से, खाली जाय न कोय ।।
उमापति, लक्ष्मीपति, सीतापति श्रीराम ।
लज्जा सबकी राखियो, खाटू के श्री श्याम ।।
पान सुपारी इलायची, अत्तर सुगन्धित भरपूर ।
सब भक्तन की विनती, दर्शन देवो हजूर ।।
'आलूसिंह' तो प्रेम से, धरे आपको ध्यान।
'श्याम भक्त' पावे सदा, श्याम कृपा से मान ।।